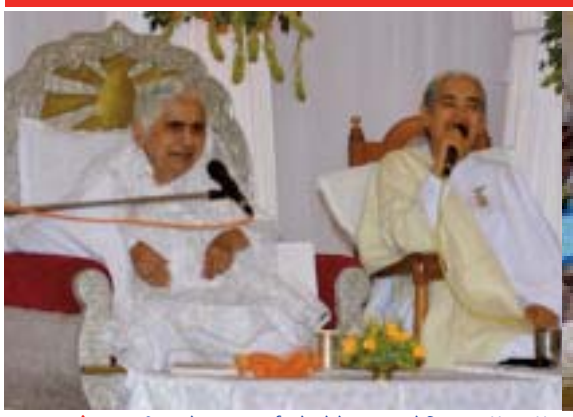

ज्ञानसरोवर। जीवन के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित `कॉल ऑफ टाइम' कार्यक्रम में अपने आशीर्वचन देते हुए दादी जानकी। साथ हैं ब्र.कु. जयंती।

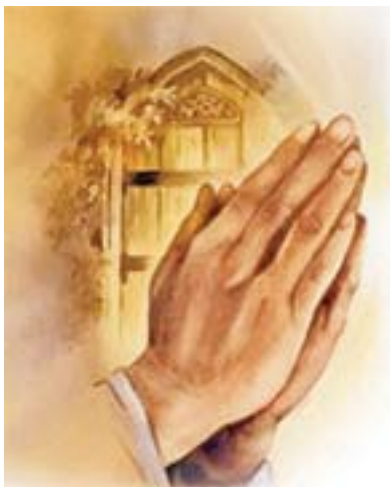

चार बहुमूल्य रत्न...

जब आप किसी को पसंद करने लगते हैं, तब आप उसकी सारी बुराई भूल जाते हैं...और जब आप किसी को नापसंद करने लगते हैं तो उसकी सारी खूबियां भूल जाते हैं... आज इंसान शांति पाने के लिए किसी भी तरह के प्रयास में हिचकता नहीं है, परंतु यह उसका दुर्भाग्य होता है कि उसे शांति प्राप्त होती नहीं है। कारण कि शांति हमें धन-दौलत से नहीं अपितु दूसरों का सहयोग करने से, और वो भी निःस्वार्थ भाव से करने से प्राप्त होती है।

इसी संदर्भ में इस छोटी परंतु महत्वपूर्ण सुंदर कहानी को आपके सम्मुख रख रहा हूँ: एक वृद्ध संत ने अपनी अंतिम घड़ी नज़दीक देख, अपने बच्चों को अपने पास बुलाया और कहा: मैं तुम चारो बच्चों को एक-एक कीमती रत्न दे रहा हूँ, मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम इन्हें सम्भाल कर रखोगे और पूरी ज़िन्दगी इनकी सहायता से अपना जीवन आनंदमय तथा श्रेष्ठ बनाओगे!

पहला रत्न है: ''माफी''

तुम्हारे लिए कोई कुछ भी कहे, तुम उसकी बात को कभी अपने मन में न बिठाना, और न ही उसके लिए कभी प्रतिकार की भावना मन में रखना, बल्कि उसे माफ कर देना।

दूसरा रत्न है: ''भूल जाना''

अपने द्वारा दूसरों के प्रति किये गए उपकारों को भूल जाना, कभी भी उस किये गए उपकार का प्रतिलाभ मिलने की उम्मीद मन

में न रखना।

तीसरा रत्न है: ''विश्वास''

हमेशा अपनी मेहनत और उस परमपिता परमात्मा पर अटूट विश्वास रखना क्योंकि हम तब तक कुछ नहीं कर सकते जब तक उस सृष्टि नियंता के विधान में नहीं लिखा होगा। परमपिता परमात्मा पर रखा गया विश्वास ही तुम्हें जीवन के हर संकट से बचाएगा और सफल करेगा।

चौथा रत्न है: ''वैराग्य''

हमेशा यह याद रखना कि जब हमारा जन्म हुआ है तो निश्चित ही हमें एक दिन मरना ही है। इसलिए किसी के लिए अपने मन में लोभ-मोह न रखना। मेरे बच्चों, जब तक तुम ये चार रत्न अपने पास सम्भाल कर रखोगे, तुम खुश और प्रसन्न रहोगे।

आध्यात्मिक संस्कृति... - पेज 1 का शेष

सशक्तिकरण, मानवता और विश्व बंधुत्व को बढ़ावा देंगे।

प्रेरणादायी वक्ता ब्र.कु. शिवानी ने दादी जानकी के बारे में बताते हुए कहा कि शक्तिशाली चेतन मन और बुद्धि वाली दादी जानकी की प्रत्येक आत्मा के प्रति शुभ और सकारात्मक सोच रहती है। वे किसी के प्रति भी नकारात्मक नहीं देखती, उनके जीवन से हमें परिवर्तन की प्रेरणा मिलती है। दादी कहती है कि मुझे दवायें नहीं सबकी दुआयें चलाती हैं। उन्होंने प्रकृति को जीत लिया है। हमारे लिये यह अवसर है उनकी शिक्षा व विशेषताओं को अपने जीवन में अपनाने का। इस अवसर पर ब्रिटिश पत्रकार नेविल ने कहा कि जीवन में समग्र विकास और स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान और वैज्ञानिक सोच का समन्वय आवश्यक है। श्रीमति लिज ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा दी जा रही आध्यात्मिक शिक्षा और राजयोग आंतरिक शक्तियों के विकास में और सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक है। फिल्म अभिनेता सुरेश ओबरॉय व ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्य वक्ता ब्र.कु. बृजमोहन ने भी इस अवसर पर दादी जानकी के साथ के अपने अनुभव को सांझा किया। साथ ही उन्होंने प्रभात प्रकाशन को धन्यवाद दिया।

चण्डीगढ़। 'किसान सशक्तिकरण अभियान' के उद्घाटन अवसर पर मंच पर उपस्थित हैं केन्द्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह, एस.एस. बैंस,डायरेक्टर,ग्राम विकास एवं पंचायत, जस्टिस के.सी.पुरी,पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट, ब्र.कु. राजू,माउण्ट आबू, ब्र.कु. अमीर चंद, ब्र.कु. लक्ष्मी व ब्र.कु. विजया।

हाथरस-उ.प्र.। भाई दूज के अवसर पर दैनिक हिन्दुस्तान के जिला प्रमुख व अन्य मीडियाकर्मियों को आत्मस्मृति का तिलक देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. शान्ता व अन्य।

बहादुरगढ़-हरियाणा। टाउन पार्क में संगठित रूप से राजयोग का अभ्यास करते हुए ब्र.कु. भाई बहनें। योगाभ्यास कराते हुए ब्र.कु. अंजलि, ब्र.कु. विनीता व अन्य।

भुवनेश्वर-ओडिशा। शिपिंग एविएशन एंड टूरिज़्म विंग द्वारा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एम्प्लॉइज़ के लिए '7 बिलियन एक्ट्स ऑफ गुडनेस' अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हैं शरद कुमार,डायरेक्टर,एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, ब्र.कु. विनीता, ब्र.कु. लीना, ब्र.कु. दुर्गेशनंदिनी व अन्य।

फाज़िल्का-पंजाब। दीपावली के अवसर पर स्वमान के ताज पहन व्यर्थ से मुक्त रहने की प्रतिज्ञा करने के पश्चात् लक्ष्मी पूजन करते हुए अतिथिगण व अन्य।

गुवाहाटी-असम। जी.एम.सी.एच. ऑडिटोरियम में 'पीस इन द वर्ल्ड, द कॉल ऑफ टाइम' विषयक कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए रशिया के ब्रह्माकुमारीज़ के डिवाइन लाइट आर्ट एंड कल्चर ग्रुप के कलाकार।

हल्दवानी। मेडिकल कॉलेज में कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. स्वामीनाथन, ब्र.कु. नीलम, कर्नल बी.सी.सती, मेडिकल स्टुडेन्ट्स व अन्य।

जम्मू। ज्योतिर्लिंगम मेले में जीरी मेला का उद्घाटन करते हुए हेल्थ व इर्रीगेशन मिनिस्टर सुखनंदन कुमार। साथ हैं ब्र.कु.सुदर्शन, ब्र.कु.पूजा तथा ब्र.कु.रवीन्दर बाली।